आ भा र

यह शोधप्रबंध प्रस्तुत करते हुए हर्ष की अनुभूति सर्वथा स्वाभाविक है। इस प्रबंध लेखनमे मेरे मार्गदर्शक आदरनीय डॉ. देवस्थली से मुझे बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। समय समय पर दिए गए उनके प्रोत्साहन और स्नेहशील मार्गदर्शन के कारण ही मैं यह शोध प्रबंध पूरा कर सकी हूँ। मेरे इस प्रयत्नको मार्गदर्शन, सहयोग और प्रेरणा देनेवाले डॉ. देवस्थली की मैं सदैव आभारी हूँ।

प्रस्तुत शोधप्रबंध के संदर्भमें सभी माध्यमिक स्कूलके अध्यापकोंने जो प्रतिसाद दिया है, उनकी भी मैं आभारी हूँ। वसंतराव नाईक बी.एड्.कॉलेजके प्रधानाचार्य डॉ. के.एस. गुरव इन्होंने भी मुझे समय-समय पर प्रोत्साहन तथा मार्गदर्शन किया उनकी भी मैं अत्यंत आभारी हूँ।

इनके अतिरिक्त प्रा.सौ.एन.एम. शिरगावकर (कर्मवीर हिरे कॉलेज, गारगोटी), मेरे सहयोगी प्रा. झांपे, प्रा. पटवर्धन, इनकी भी मैं आभारी हूँ।

शाहू शिक्षण संस्था के ग्रंथपालोंने आवश्यक ग्रंथ और पुरानी पत्र-पत्रिकाएं समय-समयपर उपलब्ध करा कर जो सहयोग किया है, उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करना, मैं अपना कर्तव्य समझती हूँ।

इस प्रबंधको समय पर टंकलिखित करने का काम श्री. कवडे ने किया, उनके प्रति भी मैं कृतज्ञ हूँ।

यदि मेरे इस प्रयास से माध्यमिक स्कूलके अध्यापकों को कुछ भी लाभ प्राप्त हो सका, तो मैं अपने परिश्रम को सार्थक समझूँगी।

दिनांक ११.१०.८८

श्रीमती पठाण बी.बी.

अनुक्रमणिका

पृष्ठांक

प्रथम अध्याय : प्रास्ताविक १-१६

१.१ विषय प्रवेश ...

१.२ समस्या शब्दांकन ...

१.३ संशोधन विषयका महत्व और व्याप्ति ...

१.४ संशोधन से संबंधित साहित्य का समालोचन ...

१.५ संशोधन का उद्देश्य ...

१.६ संशोधन पध्दति ...

१.७ संशोधन की मर्यादा ...

१.८ प्रकरणीकरण ...

द्वितीय अध्याय : माध्यमिक स्तरपर राष्ट्रभाषा हिन्दी का अध्ययन-अध्यापन १७-५५

२.१ प्रस्तावना ...

२.२ मनुष्य जीवन में भाषा का महत्व ...

२.३ भाषाके विविध रूप राजभाषा / सम्पर्क भाषा ...

२.४ हिन्दी ही राष्ट्रभाषा क्यों ?

२.५ राष्ट्रभाषा का महत्व ...

२.६ हिन्दी शिक्षा के व्यावहारिक उद्देश्य ...

२.७ हिन्दी शिक्षा के भाषिक उद्देश्य ...

२.८ हिन्दी अध्यापक ...

अ) अध्यापक की आवश्यकता ...

ब) भाषा शिक्षक का महत्व ...

पृष्ठांक

क) हिन्दी अध्यापक के सामान्य गुण ...

१. व्यक्तित्व

२. व्यवहार कुशलता ...

३. शिक्षा एवं उपाधियाँ ...

४. पाठ्येतर क्रियाओं में योगदान ..

५. बालमनोविज्ञान का ज्ञान ..

६. अध्यापन अनुभव

७. अनुसन्धान प्रवृत्ति

८. समय की पाबन्दी

९. आत्मविश्लेषण के लिए तैयार

१०. हर प्रकार की संकीर्णता से युक्त

ङ) हिन्दी अध्यापक के विशिष्ट गुण ...

१. हिन्दी भाषापर अधिकार

२. हिन्दी साहित्य का ज्ञान

३. भारतीय संस्कृति का ज्ञान

४. साहित्य में रुचि

५. सरल अभिव्यक्ति

६. शिक्षण-विधियों का ज्ञान

७. सतत-प्रयत्नशीलता एवं अध्ययनशीलता

८. अपने कार्य में आस्था

पृष्ठांक

२.९ हिन्दी अध्यापन पध्दतियाँ -
१. स्वाभाविक प्रणाली
२. व्याकरण अनुवाद प्रणाली
३. संभाषणात्मक प्रणाली
४. डॉ. वेस्ट प्रणाली
५. गठन विधि
२.१० समारोप उपसंहार

तृतीय अध्याय : विद्यार्थियोंके उच्चारण दोष और उनके कारणोंका अभ्यास अध्ययन ... ५६ - ७१

३.१ प्रास्ताविक ...
३.२ प्रश्नावली देनेवाले अध्यापकोंकी सर्वसाधारण जानकारी ...
३.३ प्रश्नावली देनेवाले अध्यापकोंकी शैक्षणिक पात्रता ...
३.४ बी.एड्. प्रशिक्षण के लिए होनेवाली अध्यापन पध्दति ...
३.५ हिन्दी की अन्य परीक्षा उत्तीर्ण होनेवाले अध्यापकों की जानकारी ...
३.६ अध्यापकों के अध्यापन-अनुभव की जानकारी ...
३.७ हिन्दी उच्चारण-दोषों का वर्गीकरण ...
३.८ उच्चारण दोषोंके कारण ...
३.९ उच्चारण दोषोंपर उपाययोजना ...
३.१० वाचनद्वारा पाये जानेवाले दोष ...
३.११ समारोप ...

पृष्ठांक

चतुर्थ अध्याय : विद्यार्थियों के लेखन दोष और उनके कारणोंका अभ्यास 80-94

४.१ प्रस्तावना ...

४.२ निबंध लेखनद्वारा पाई जानेवाली गलतियाँ ...

४.३ हिन्दी लेखन-दोष प्रकारोंका विश्लेषण ...

४.४ हिन्दी लेखन-दोष कारणोंका विश्लेषण ...

४.५ लेखन-दोषोंपर उपाययोजना ...

४.६ समारोप

पाँचवा अध्याय : निष्कर्ष और सुझाव ... 95 - 112

५.१ प्रस्तावना ...

५.२ उच्चारण विषयक निष्कर्ष और सुझाव ...

५.३ लेखन विषयक निष्कर्ष और सुझाव ...

५.४ सर्वसाधारण निष्कर्ष और सुझाव ...

५.५ नये संशोधन के लिए कुछ विषय ...

परिशिष्ट : 114 - 160

अ) हिन्दी अध्यापकोंके लिए प्रश्नावली ...

ब) प्रश्नावली को प्रतिसाद देनेवाले हिन्दी अध्यापक और उनके स्कूल्स् ...

क) इण्टरव्ह्यू देनेवाले अध्यापकोंकी सूची ...

ड) हिन्दी को द्वितीय स्तरपर आधारित अभ्यासक्रम (५ वी से ७ वी) ...

इ) सम्पर्क भाषा हिन्दी संबंधी कुछ पुस्तकें तथा विविध समाचार पत्र में प्रसिध्द हुये विचारोंका संकलन ...

संदर्भ ग्रंथ सूची ...

सारणी सूची

अ.क्र.	सारणी क्रमांक	सारणीका विषय	पृष्ठांक
१)	१.१	अध्यापकोंको दिए गए प्रश्नावलीका विश्लेषण	१२
२)	३.१	प्रश्नावलीका प्रतिसाद देनेवाले अध्यापकों की शैक्षणिक पात्रता	५९
३)	३.२	पदवी-पदव्युत्तर परीक्षा के लिए होनेवाले विषयानुसार अध्यापकों की संख्या	६०
४)	३.३	हिन्दी अध्यापकोंने बी.एड्. प्रशिक्षण के लिए चुनी हुयी अध्यापन पध्दति	६२
५)	३.४	हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण होनेवाले अध्यापकों की संख्या	६४
६)	३.५	अध्यापकों का अध्यापन अनुभव	६५
७)	३.६	हिन्दी उच्चारण दोषोंसे सहमत अध्यापक संख्या	६७
८)	३.७	उच्चारण दोषोंके कारणोंसे सहमत अध्यापक संख्या	७०
९)	३.८	उच्चारणपर होनेवाले उपाययोजनाओं से सहमत अध्यापक संख्या	७३
१०)	३.९	वाचनद्वारा पाए जानेवाले उच्चारण दोष	७६-७७
११)	४.१	निबंध लेखनद्वारा पाई जानेवाली गलतियाँ (पाँचवी कक्षा)	८२
१२)	४.२	निबंध लेखनद्वारा पाई जानेवाली गलतियाँ (छटी कक्षा)	८४
१३)	४.३	निबंध लेखनद्वारा पाई जानेवाली गलतियाँ (सातवी कक्षा)	८५

अ.क्र.	सारणी क्रमांक	सारणीका विषय	पृष्ठांक
१४)	४.४	हिन्दी लेखनदोषोंसे सहमत अध्यापक संख्या	८७
१५)	४.५	लेखनदोषों के कारणों से सहमत अध्यापक संख्या	८९
१६)	४.६	लेखनदोषोंके उपाययोजनाओं से सहमत अध्यापक संख्या	९१-९२

नकाशा तथा आकृति सूची

१.१ कोल्हापूर महानगरपालिका का क्षेत्र और उस क्षेत्रमें आनेवाले माध्यमिक स्कूल

५.२ उच्चारण स्थल की आकृति